1	2	3	4
	पंजाब		
2.	थेन बांध परियोजना का निर्माण	742.00	कार्रवाई की जा रही है।
	मध्य प्रदेश		
3.	अपर वेन गंगा परियोजना	932.653	कार्रवाई की जा रही है।
	उड़ीसा		
4.	कोरापुट जिले में तेलेगिरि परियोजना का निर्माण	240.37	कार्रवाई की जा रही है
5.	कोंकादाखर परियोजना	8.29	कार्रवाई की जा रही है ।
	महाराष्ट्र		
6.	रानीपुर में लघु सिंचाई परियोजना	40.92	कार्रवाई की जा रही है।
7.	मनुवेरी पर परकोलेशन टैंक	12.00	कार्रवाई की जा रही है।
8.	जाम्बेर लघु सिंचाई परियोजना का निर्माण	78.00	कार्रवाई की जा रही है।
9.	मोरना गुरेधर लघु सिंचाई परियोजना	उपलब्ध नहीं	कार्रवाई की जा रही है।

सिंचाई परियोजनाओं का निर्माण

5021. **श्री राम जेठमलानी :**

श्रीमती सुषमा स्वराज :

क्या जल संसाधन मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि देश में अनुप्रयुक्त सिंचाई परियोजनाओं में लगभग 16,000 करोड़ रुपये की धन राशि का निवेश किया गया है;

(ख) यदि नहीं, तो दिसम्बर, 1994 के अन्त तक निर्माणाधीन अनुप्रयुक्त परियोजनाओं में कितनी धनराशि लगी हुई थी ;

(ग) इनमें से उन परियोजनाओं की संख्या कितनी है जो छठी पंचवर्षीय योजना के समय से निर्माणाधीन हैं तथा उस समय इन परियोजनाओं में कितनी धनराशि का निवेश किया गया था ; और

(घ) इन निर्माणाधीन सिंचाई परियोजनाओं को सातवीं तथा आठवीं पंचवर्षीय योजना के दौरान प्राथमिकता न दिये जाने के क्या कारण हैं और देश के उन राज्यों के नाम क्या-क्या हैं, जहां ये परियोजनायें निर्माणाधीन हैं और इनमें से प्रत्येक परियोजना की सिंचाई क्षमता कितनी-कितनी है?

जल संसाधन मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री पी. वी. रंगैया नायडू) : (क) से (घ) जहां तक केन्द्रीय सरकार को जानकारी है अनुप्रयुक्त सिंचाई परियोजनाओं में कोई निवेश नहीं किया गया है । पूर्ण होने पर सभी सिंचाई परियोजनायें कृषकों को लाभ प्रदान करती हैं । सिंचाई राज्यों का विषय है तथा सिंचाई परियोजनाओं की आयोजना, प्रतिपादन, क्रियान्वयन और वित्तपोषण राज्य सरकारों द्वारा अपने स्वयं के संसाधनों से किया जाता है। केन्द्रीय सरकार एकमुश्त अनुदान और ऋण निर्मुक्त करती है जो किसी क्षेत्र अथवा परियोजना से जुड़े नहीं होते हैं। परियोजनाओं के निर्माण के लिये आपसी प्राथमिकता राज्य सरकारों द्वारा दी जाती है ।